संवाददाता पटना

अब माउस क्लिक करते ही सूबे के 28 शहरों की जानकारी उपलब्ध हो जायेगी. शहरों में चल रही विकास योजनाओं की विस्तृत जानकारी नेट पर उपलब्ध होंगी. इ-गवर्नेंस के तहत ऐसी तकनीक विकसित की जा रही है, जिससे नेट पर बैठ कर संबंधित शहर के बारे में पूरी जानकारी एकत्र की जायेगी. इसके लिए शहरों को सुविधाओं से लैस किया जा रहा है. नगर विकास एवं आवास विभाग ने इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी है. एजेंसी चयन की प्रक्रिया आरंभ की गयी है. चुनी गयी एजेंसी शहरों में चल रही योजनाओं व उनके डाटा को एकत्र कर उन्हें कंप्यूटरीकृत करेगी. इन निकायों के डाटा को एकत्र करने की प्रक्रिया पहले से ही शुरू की जा चुकी है. संबंधित शहरों में नियुक्त एजेंसी डाटा डिजिटलाइजेशन का काम करेगी. इसके लिए उन्हें डाटा इंटी ऑपरेटर की नियुक्ति करनी होगी. ये इन शहरों में जाकर उनके डाटा का डिजिटलाइजेशन करेंगे. यह काम हिंदी व अंगरेजी दोनों भाषाओं में होगा. इसके लिए उन्हें कार्यालयों में कंप्यूटर, प्रिंटर, जेन सेट आदि लगाने होंगे. सभी कार्यालयों को इंटरनेट से जोड कर वहां फोन की सुविधा उपलब्ध करानी होगी.

एक्सपर्ट की होगी बहाली

इन नगर निकायों में इंजीनियर, आइटी एसोसिएट, सोशल डेवलपमेंट एसोसिएट और एकाउंटेंट के रूप में 126 लोगों को भी बहाल किया जायेगा. इनमें पटना नगर निगम में तीन इंजीनियर, दा आइटी एसोसिएट, दो सोशल डेवलपमेंट एसोसिएट और तीन एकाउंटेंट की बहाली होंगी. भागल पुर, मुजफ्फरपुर, दरभंगा और गया नगर निगमों में दो-दो इंजीनियर, एक-एक आइटी एसोसिएट व सोशल डेवलपमेंट एसोसिएट और दो एकाउंटेंट बहाल होंगे. इसके अलावा आरा, बिहारशरीफ, कटिहार, मुंगेर, बेगूसराय, पूर्णिया, दानापुर, खगौल, फुलवारी, हाजीपुर, छपरा, सीवान, बेतिया, मोतिहारी, सीतामढी, किशनगंज, जमालपुर, बोधगया, औरंगाबाद, डेहरी, सासाराम, सहरसा और नवादा में एक-एक इंजीनियर, आइटी एसोसिएट, सोशल डेवलपमेंट एसोसिएट व एकाउंटेंट को बहाल किया जायेगा.

28 शहर

पटना, भागलपुर, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, गया, आरा, बिहारशरीफ, कटिहार, मुंगेर, बेगूसराय, पूर्णिया, दानापुर, खगौल, फुलवारी, हाजीपुर, छपरा, सीवान, बेतिया, मोतिहारी, सीतामढी, किशनगंज, जमालपुर, बोधगया, औरंगाबाद, डेहरी, सासाराम, सहरसा और नवादा.